'मुझे भी सरकार गिराने के लिए खरीदने का प्रयास हुआ'

मंत्री गोविन्द राम मेघवाल ने सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन के सामने दावा किया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंतर्द्वंद को समाप्त करने के लिए 29 मई को दिल्ली में चर्चा होने के बाद अभी तक सुलह का फार्मूला तो सामने नहीं आया है, लेकिन इधर 11 जून को राजस्थान में सचिन पायलट की ओर से नई पार्टी के गठन को लेकर चर्चाओं का बाजार बहुत गर्म हो चुका है। राजनीतिक लोगों से लेकर मीडिया तक में 11 जून को पार्टी गठन होने का दावा किया जा रहा है।

इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि ना तो आलाकमान सचिन पायलट को लेकर कोई फैसला ले रहा है, ना सुलह का फार्मूला सामने आ रहा है। यही कारण है कि दिल्ली से लौटकर सचिन पायलट ने टोंक में अपनी तीन मांगों को लेकर किसी तरह के समझौते से इनकार किया है। वहीं अशोक गहलोत पहले ही इन तीन मांगों को नकार चुके हैं। ऐसे में समझौते की गुंजाइश बची नहीं है। फिर भी कहा जा रहा है कि 7 जून को राहुल गांधी के विदेश से वापस आने तक सचिन पायलट इंतजार करेंगे, इसके बाद अपना फैसला बताएंगे।

- **क्या पायलट राहुल के लौटने व उनसे बात करने के बाद अपनी भूमिका के बारे में फैसला करेंगे?**

वहीं अब अशोक गहलोत खेमे के मंत्री फिर बाड़ेबंदी, विधायकों की खरीद-फरोख्त और सरकार गिराने की कोशिशों पर बयानबाजी करने लगे हैं। राजस्थान के सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन के सामने राजस्थान के मंत्री और भाजपा से कांग्रेस में आए गोविंद राम मेघवाल ने दावा किया है कि अशोक गहलोत की वजह से सरकार बच गई वरना, उन्हें भी खरीदने का प्रयास किया गया था जिसकी रिकॉर्डिंग उनके पास कहीं मौजूद हो सकती है।

राजस्थान के आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें भी खरीदने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा, मुझे भी फोन आया था, लेकिन मैंने कह दिया पैसे में पशु बिकते हैं, इंसान नहीं बिकते। मेघवाल ने ये भी कहा कि हमारा सौभाग्य है कि अशोक गहलोत हमारे मुख्यमंत्री हैं, इसलिए सरकार बच गई।

बीकानेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में आपदा प्रबंधन मंत्री ने विधायकों की खरीद-फरोख्त कर सरकार बदलने की कोशिश का मुद्दा फिर से उठा दिया। उन्होंने कहा, मेरे पास भी फोन आया था। मेरे पास इसकी टेप भी पड़ी है, लेकिन मैं इस बात को ज्यादा नहीं बढ़ाना चाहता। उन्होंने कहा, कल पार्टी भी कहेगी क्या बोल गए, मैं बहुत सोच-समझकर बोल रहा हूं। अगर गहलोत नहीं होते तो सच्चाई ये है कि हमारी सरकार नहीं बचती। गोविंद राम ने कहा, बीकानेर से सरकार ने तीन मंत्री बनाए हैं। तीन ही जीते थे। कुछ और मंत्री स्तर के पद दिए हैं। ऐसे में जो सीधे मंत्री बने हैं, उनकी आगामी चुनाव में जिम्मेदारी ज्यादा है। उन्हें ज्यादा मेहनत से लगकर इस बार सरकार रिपीट करवाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि एकजुट होकर काम करें। निजामुद्दीन भी मौजूद रहे। उन्होंने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी हर कहीं लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास करती है। कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गोवा में वो ऐसा कर चुकी है। हर जगह विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाती है। गोवा में तो हमारा बहुमत था, फिर भी भाजपा ने सरकार बनाई। भाजपा की ये ही नीति है कि जैसे-तैसे सरकार बना लो। हमारे विधायक और नेता मजबूती से डटे रहेंगे तो भाजपा का ये प्रयास सफल नहीं होगा।

रिकॉर्डिंग पर चुप रहे एआईसीसी सचिव काजी निजामुद्दीन ने रिकॉर्डिंग वाले मामले से पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा, उनसे बात हुई है तो ये जांच का विषय है। वे ही बता सकेंगे।

गहलोत और सचिन पायलट विवाद के बीच गोविंद राम पहले भी गहलोत के पक्ष में बयान दे चुके हैं। सितम्बर 2022 में भी वे कह चुके हैं कि अगर अशोक गहलोत को हटाकर किसी को मुख्यमंत्री बनाया तो हम सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे और मध्यावधि चुनाव के लिए भी तैयार रहना चाहिए। वे यह भी कह चुके हैं कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री नहीं होते तो हम मंत्री नही बनते।

'सरकार संविदा कर्मियों के साथ अपना रही है दोहरा रवैया'

जयपुर, (का.सं.)। संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा राजस्थान के प्रदेश महासचिव रामस्वरूप टांक ने कहा कि राज्य सरकार संविदा कार्मिकों के साथ दोहरा रवैया अपना रही है जिससे सभी संविदा कार्मिकों में भारी रोष है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा 2018 में सत्ता में आने से पहले अपने जन घोषणा पत्र में राजस्थान के सभी संविदा कार्मिकों को नियमित करने की बात कही थी। परंतु राजस्थान सरकार ने 2021 के बजट में संविदा कार्मिकों के लिए अलग से कैडर बनाने की घोषणा की। वर्ष 2022 में राजस्थान "राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022" नियम बनाने की घोषणा की। उसके बाद राजस्थान के सभी संविदा कार्मिकों के लिए कार्मिक विभाग ने 11 जनवरी 2022 को नियम जारी किये। इन नियमों में पहले से कार्यरत संविदा कार्मिकों को इन नियमों में शामिल करने हेतु दिशा निर्देश जारी किये। परंतु पुर्व की सेवा अवधि अनुभव की गणना शून्य कर दी गई है। संविदा कार्मिकों के भारी विरोध व प्रदर्शन के कारण 2023 के बजट में संविदा कार्मिकों की "राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022" के अंतर्गत पूर्व की सेवा अवधि अनुभव की गणना अन्य सेवा से आईएएस चयन पर की जाने वाली अनुभव अवधि गणना वाले पैटर्न पर किये जाने की घोषणा की। इससे केवल 8-10 फीसदी संविदा कार्मिकों के नियमितीकरण की राह परस्त हो रही। परंतु आज तक इस अनुभव पैटर्न का कोई आदेश जारी नहीं हुआ है।

ब्राह्मण महासंगम जयपुर में तीन सितम्बर को

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने शनिवार को दौसा में ब्राह्मण महासंगम के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आगामी 3 सितम्बर को जयपुर में ब्राह्मणों का महासंगम होगा। जिसकी शुरुआत आज दौसा जिले से हो चुकी है। जिसमें प्रदेश के हर बूथ से कम से कम 10 ब्राह्मणों को आमंत्रित किया जायेगा। इसके लिये प्रदेश के कुल 51 हजार बूथों पर समाज के बंधुओं से सम्पर्क किया जायेगा और 200 विधानसभाओं के प्रभारी बनाये जा रहे है। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि आज दौसा जिले में लालसोट रोड स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं मीटिंग आयोजित की गई जिसमें 3 सितम्बर को होने वाले महासंगम के प्रति समाज का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसलिए इस बार पहली बार प्रदेश की 200 की 200 विधानसभाओं से समाज बंधुओं को जयपुर बुलाया जाएगा और समाज हित में जो भी निर्णय इस महासंगम में लिये जायेगें उन्हें समाज के हर तबके तक पहुंचाया जायेगा।

मिश्रा ने बताया कि इस महासंगम में ब्राह्मण अस्मिता को मजबूत करने, समाज को एकजुट करने साथ ही राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से समाज की ताकत को बढाना, एकमात्र उद्देश्य होगा। मुख्य एजेंडे के रूप में 14 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग, भगवान परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना, भगवान परशुराम जी की 111 फीट प्रतिमा की स्थापना, प्रत्येक जिले में गुरुकुल की स्थापना, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में हो रही विसंगतियों को दूर करना, ब्राह्मण आरक्षण आंदोलन के समय लगाये गये मुकदमों को वापिस लेना, ब्राह्मण बालिकाओं के लिये छात्रावास की स्थापना सहित अन्य प्रस्ताव इस महासंगम में लिये जायेगें। महासभा ने समाज को एकजुट करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम हाथ में ले रखे है। जिसमें सामूहिक विवाह, सामूहिक उपनयन संस्कार, ज्योतिष कर्मकाण्ड शिविर, छात्रवृत्ति देने सहित अनेका अनेक कार्यक्रम महासभा द्वारा किये जा रहे है। जिन्हे प्रत्येक गांव, तहसील तक पहुंचाया जाये। इस पर भी चर्चा होगी। साथ ही पुरे प्रदेश में ब्राह्मणों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढे, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में राजनीतिक आरक्षण भी हो, ये सब विषय भी इस महासंगम में रखे जायेंगे।

मिश्रा ने बताया कि महासभा ने एक लम्बी लड़ाई ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिये लड़ी थी। उस समय भी महासभा ने लाखों-लाख ब्राह्मणों की आरक्षण रैलियां आयोजित की थी और सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने उस समय महासभा के मंच पर आकर समर्थन दिया था। महासभा ने लक्ष्य तय किया है कि इस बार विधानसभा चुनाव में समाज का प्रतिनिधित्व बढे और समाज एकजूट होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें।

मुख्यमंत्री भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ जांच के लिए ए.सी.बी. को आदेश क्यों नहीं दे रहे : सी.पी. जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी कहा कि मुख्यमन्त्री भ्रष्टाचार पर अपनी ज़ीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां खुद उड़ा रहे हैं

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार मामले पर बयान जारी कर कहा कि भ्रष्ट अफसरों और कर्मचारियों में कानून और प्रशासन का डर समाप्त हो चुका है, क्योंकि एसीबी में दर्ज 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं, जिसमें आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की अभियोजन स्वीकृति अधर झूल में है। सिर्फ 13 मामलों में मंजूरी मिली है और 29 में स्पष्ट मना कर दिया गया। इससे यह माहौल बन गया है कि यदि एसीबी पकड़ भी लेती है, तो लचर कानून व्यवस्था के चलते वे इससे बरी हो जाएंगे। प्रदेशअध्यक्ष जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत भले ही पिछले साढे 4 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार में लिप्त कार्मिकों के खिलाफ सर्वाधिक कार्रवाई को लेकर अपनी पीठ थपथपा लें, लेकिन वास्तविकता में आंकड़े इसके बिल्कुल विपरीत हैं। गहलोत स्वयं भ्रष्टाचार पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने एसीबी को बिना दांत और पंजों वाला शेर बना दिया है जो सिर्फ गुर्रा सकता है, कुछ बिगाड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद एसीबी ने पिछले साढ़े 4 वर्षों में सैकड़ों मामले दर्ज किए, लेकिन 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं, जिनमें रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद उन अधिकारियों तथा कर्मचारियों के खिलाफ उनके विभागों से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिल रही। क्या प्रदेश के अफसरों पर मुख्यमंत्री की इतनी पकड़ भी नहीं है कि वह इन मामलों पर तुरंत स्वीकृति दे या फिर स्वयं मुख्यमंत्री ही नहीं चाहते कि भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने यह भी कहा कि एसीबी को पूर्णकालिक डीजी कब तक मिलेगा।

प्रदेश में केवल दो ही नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को केवल दो ही नए करोना संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच किसी भी मरीज के ठीक नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 12 हो गए हैं।

प्रदेश में शनिवार को बीकानेर और जोधपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले राज्य में शुक्रवार को छह रोगी पाए गए थे। इधर आज प्रदेश में 1927 कोविड जांच की गई है।

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में किसी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 12 हो गए हैं। इनमें जयपुर में 4, उदयपुर व बीकानेर में 3-3 और जोधपुर में 2 एक्टिव केस मौजूद है। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9734 लोगों की मौत हो चुकी है।

निर्माण कार्यों की होगी 'डिजिटल मॉनिटरिंग'

जयपुर। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए उनकी 'डिजिटल मॉनिटरिंग' का 'मैकेनिज्म' तैयार किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने इसके लिए अधिकारियों को 'सॉफ्टवेयर' तैयार करने के निर्देश दिए है। जैन ने शनिवार को शिक्षा संकुल में बैठक की अध्यक्षता करते हुए समठा शिक्षा अभियान के तहत राज्य के स्कूलों में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

वायरल के कारण रिबाकिना फ्रेंच ओपन से बाहर

पैरिस, 3 जून। कज़ाखस्तान की चौथी वरीयता प्राप्त एलीना रिबाकिना ने वायरल बुखार के कारण शनिवार को ग्रैंड स्लैम आयोजन फ्रेंच ओपन 2023 से नाम वापस ले लिया। विंबलडन 2022 की चैंपियन रिबाकिना को तीसरे दौर के मैच में स्पेन की सारा सोरिबेस टॉर्मो का सामना करना था, लेकिन बुखार के कारण उन्होंने सारा को वॉकओवर दे दिया। रिबाकिना ने संवाददाताओं से कहा, "मैं कल और उससे पिछले दिन अच्छा महसूस नहीं कर रही थी। मैं सो नहीं सकी और मुझे बुखार भी था। आज मैंने अभ्यास करने की बहुत कोशिश की लेकिन मेरे हिसाब से सही फैसला यही है कि मैं बाहर हो जाऊं, क्योंकि इस हालत में खेलना बहुत कठिन है।"

जनवरी 2024 में टेस्ट से संन्यास ले सकते है वॉर्नर

बेकेनहैम, 3 जून। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अगले साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट शृंखला के दौरान अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने टेस्ट करियर को विराम देने पर विचार कर रहे हैं। लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे वॉर्नर ने पिछले दो वर्षों में 17 टेस्ट खेलकर केवल एक शतक बनाया है। उन्होंने कहा था कि वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करना चाहते हैं, लेकिन अब उन्होंने टेस्ट करियर को लेकर नयी सूचना दी है।

जूनियर विश्व कप : भारतीय निशानेबाज संयम ने स्वर्ण जीता

सुहल, 3 जून। भारत की संयम ने शनिवार को आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। संयम ने आठ महिलाओं के फाइनल में 238 स्कोर किया। भारत की सुरूचि इंदर सिंह 154 . 1 अंक लेकर छठे स्थान पर रही। कोरिया की किम मिनसियो को रजत पदक मिला जबकि चीनी ताइपै की लियू हेंग यू ने कांस्य पदक जीता। संयम क्वालीफिकेशन दौर में 571 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर थी जबकि सुरूचि पांचवें स्थान पर रही थी। संयम ने फरवरी में खेलो इंडिया युवा खेलों में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

भारत ने ब्रिटेन को शूटआउट में हराया

लंदन, 3 जून। भारत ने एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन को शूटआउट में 4-2 (4-4) से मात दी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (सातवां मिनट), मनदीप सिंह (19वां मिनट), सुखजीत सिंह (27वां मिनट) और अभिषेक ने गोल किये, जबकि ब्रिटेन की ओर से सैम वॉर्ड (आठवां, 40वां, 47वां मिनट, 53वां मिनट) ने चार गोल दागकर मुकाबले को शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में हालांकि भारत का पलड़ा साफ तौर पर भारी रहा। मेहमान टीम की ओर से मनप्रीत, हरमनप्रीत, ललित और अभिषेक ने गोल किये।

ब्रिटेन के लिये कालनन और ज़ैकरी वॉलेस ही गोल कर सके। पिछले मैच में ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से हराने के बाद भारतीय टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरी। ब्रिटेन ने तीसरे मिनट में खाता खोलने का प्रयास किया लेकिन युवा गोलकीपर कृष्णा पाठक ने इस प्रयास को असफल कर दिया। ब्रिटेन छठे मिनट में मिली पेनल्टी कॉर्नर पर भी गोल नहीं कर सका। जबकि एक मिनट बाद हरमनप्रीत ने शॉर्ट कॉर्नर पर गोल करके भारत का खाता खोल दिया। मेहमान टीम की बढ़त हालांकि कुछ देर तक ही रही और वॉर्ड ने दर्शनीय ड्रैग फ्लिक के साथ गेंद को नेट में पहुंचाकर स्कोर बराबर कर दिया।

ब्रिटेन 15वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका लेकिन क्वार्टर खत्म होने से पहले भारत की बढ़त समाप्त कर दी थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारत की फॉरवर्ड पंक्ति ने जौहर दिखाने का मौका नहीं छोड़ा।अभिषेक 18वें मिनट में गेंद को लेकर ब्रिटेन के सर्किल में पहुंच गये। वह इस मौके को गोल में नहीं बदल सके, लेकिन मनदीप ने अगले ही मिनट में गेंद को गोली की रफ्तार से ब्रिटेन के नेट में पहुंचा दिया। बढ़त लेने के बाद भी भारत की रफ्तार कम नहीं हुई और हाफ टाइम से दो मिनट पहले सुखजीत ने हार्दिक सिंह की मदद से मेहमान टीम का तीसरा गोल किया। हार की ओर बढ़ रही ब्रिटेन को आक्रामक हॉकी खेलने की जरूरत थी, जो सैम वॉर्ड की ओर से देखने को मिली। उन्होंने 40वें मिनट में मजबूत ड्रैग फ्लिक मारकर ब्रिटेन का दूसरा गोल किया, जबकि चौथे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में उन्होंने भारतीय सर्किल को भेदकर स्कोर बराबर कर दिया। अभिषेक ने भारत को एक बार फिर बढ़त की स्थिति में पहुंचाया लेकिन वॉर्ड ने अपना चौथा गोल करते हुए एक बार फिर स्कोर बराबर कर दिया। विजयी गोल तलाशने की दोनों टीमों की पुरज़ोर कोशिशों के बावजूद मैच बराबरी पर खत्म हुआ। अंततः भारत ने शूटआउट में आकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कालनन और वॉलेस ने भले ही पहले प्रयास में गोल करके ब्रिटेन का खाता खोला, लेकिन इसके बाद सिर्फ वॉलेस ही पाठक के जटिल रक्षण को मात दे सके। दूसरी ओर, भारत ने अपने शुरुआती चारों प्रयासों में सफलतापूर्वक गोल करते हुए मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ भारत प्रो लीग तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। हरमनप्रीत की टीम अब यूरोप दौरे का अंत करने से पहले नीदरलैंड के आइंडहोवन रवाना होगी, जहां उसका सामना मेज़बान डच टीम और अर्जेंटीना से होगा।

जोकोविच संघर्षपूर्ण जीत से फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 3 जून। नोवाक जोकोविच ने दर्शकों के एक समूह की नकारात्मक टिप्पणियों के बावजूद अपना धैर्य बनाए रखा और साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चले मैच में जीत दर्ज करके फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया।

जोकोविच को तीसरे दौर के मैच में 29 वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (5), 6-2 से जीता। बाइस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के करियर में यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में तीन सेट में जीत दर्ज करने के लिए तीन घंटे 36 मिनट का समय लिया। इस बीच दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हाल की राजनीतिक टिप्पणियों के लिए उन पर ताने भी कसे। जोकोविच इससे नाखुश दिखे। उन्होंने बाद में कहा," अधिकतर दर्शक टेनिस का आनंद लेने या किसी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए आते हैं, लेकिन यह कुछेक दर्शक हैं जो आपके हर काम का मजाक उड़ाना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मुझे अपमानजनक लगता है।" जोकोविच के अलावा पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज, पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास और आठवीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचनोव आगे बढ़ने में सफल रहे। अन्य मैचों में लोरेंजो सोनेगो ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को , जबकि जुआन पाब्लो वरिलास ने नंबर 13 ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 6-3, 7-6 (3), 4-6, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, डारिया कसात्किना, स्लोएन स्टीफंस, एलिना स्वितोलिना और 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा ने चौथे दौर में प्रवेश किया।

भारत के 2011-12 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल अंगूठे के साथ खेले थे तेंदुलकर

मुंबई, 3 जून। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने बताया है कि आस्ट्रेलिया के 2011.12 के दौरे पर वह पैर के अंगूठे की चोट के साथ खेले थे जिसके दर्द ने उन्हें काफी परेशान किया था। तेंदुलकर के पैर के अंगूठे में वर्ष 2000 में चोट लगी थी जो अगले साल फिर उभर गई जिसकी वजह से वह श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला नहीं खेल सके थे।

भारत ने अप्रैल 2011 में 50 ओवरों का विश्व कप जीता था लेकिन टेस्ट टीम इसी साल इंग्लैंड से 0.4 से हार गई थी। तेंदुलकर ने अपनी मराठी किताब 'शतकांत एकच' के विमोचन के मौके पर कहा, "वर्ष 2000 में दक्षिण अफ्रीका में मुझे अंगूठे में चोट लगी थी जिसके बाद मैने इंजेक्शन भी लिये। यह चोट 2011 विश्व कप के बाद उभर गई। अभी तक मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ।" उन्होंने कहा, "मैं छुट्टी पर लंदन में था और वहीं से भारतीय टीम से जुड़ने जा रहा था।" तेंदुलकर ने मराठी में कहा कि उन्हें इतना दर्द हो रहा था कि वह सहन नहीं कर पा रहे थे और स्थानीय डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी कराने के लिये कहा। उन्होंने कहा ," आस्ट्रेलिया में दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा था। मैने पट्टी बांधी, दो बार इनसोल बदले और किसी तरह खेल रहा था। मेरी हताशा बढती जा रही थी। आस्ट्रेलिया में मैदान काफी कड़े हैं जिससे परेशानी और बढ गई। डॉक्टरों ने कहा कि आपरेशन कराना होगा।" तेंदुलकर ने कहा कि उनकी पत्नी अंजलि 48 घंटे के भीतर भारत से आस्ट्रेलिया पहुंची और सही फैसला लेने में मदद की। उन्होंने कहा, " मुझे दौड़ना पड़ता था तो मेरा दर्द बढता जा रहा था। मैने डॉक्टर से बात की जिन्होंने सर्जरी का सुझाव दिया और मेरा दूसरा पैर भी दर्द कर रहा था। मैने अंजलि को बताया और कहा कि यह दर्द और सहन नहीं हो रहा और सर्जरी करा लेते हैं।" उन्होंने कहा ," मैने कहा कि मैं टीम को बता रहा हूं कि मैं खेल नहीं सकता। मुझे दर्द हो रहा है और बहुत मुश्किल हो रही है। यह सुनकर अंजलि 48 घंटे के भीतर ब्रिसबेन आ गई और मुझे सर्जरी कराने से रोका।" इस मौके पर पूर्व क्रिकेटर किरन मोरे, जहीर खान, प्रवीण आम्रे और पूर्व कोच अंशुमान गायकवाड़ ने भी तेंदुलकर के साथ अपनी यादें साझा की।

काउंटी अनुभव डब्ल्यूटीसी के लिए फायदेमंद होगा : लाबुशेन

लंकाशर, 3 जून। पिछले दो महीनों से इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में ग्लैमोर्गन के लिये खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को उम्मीद है कि यह अनुभव सात जून से भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनके काम आयेगा। लाबुशेन की टीम के कई साथी जहां अप्रैल-मई में भारत में आईपीएल खेल रहे थे, वहीं लाबुशेन ने इस दौरान इंग्लैंड के माहौल में ढलने का प्रयास किया। उन्होंने काउंटी क्रिकेट की अपनी शानदार फॉर्म का सबूत देते हुए आठ पारियों में दो शतकों की मदद से 504 रन बनाये और उन्हें उम्मीद है कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल और उसके बाद होने वाली एशेज़ टेस्ट शृंखला में इस प्रदर्शन को बरकरार रख सकेंगे। लाबुशेन ने आईसीसी के साथ बातचीत में कहा, "मैं यहां (काउंटी क्रिकेट मे) पिछले पांच सालों से आ रहा हूं। अब यह मेरी आदत का हिस्सा बन गया है। मुझे यहां आना और काउंटी क्रिकेट खेलना पसंद है। मुझे ग्लैमोर्गन की टीम पसंद है।"

उन्होंने कहा, मैं यहां खेलने का बहुत आनंद लेता हूं इसलिये बार-बार लौटकर आता हूं। यह मेरे लिये अच्छा है कि इस साल (विश्व) टेस्ट चैंपियनशिप पा फाइनल और एशेज़ भी है। उस सीरीज में बढ़ते हुए यह (अनुभव) मेरे लिये फायदेमंद होगा।"

भारत और ऑस्ट्रेलिया को सात जून से होने वाले खिताबी मुकाबले में लंदन के द ओवल मैदान पर भिड़ना है। एक अनुभवी बल्लेबाज होने के नाते लाबुशेन समझते हैं कि इस अहम मैच में उनके ऊपर रन बनाने की ज़िम्मेदारी होगी। लाबुशेन ने कहा, "कोई भी ऑस्ट्रेलिया के लिये नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेगा तो उसके ऊपर ज़िम्मेदारी होगी ही। मैं जब 2019 में (एशेज़ टेस्ट सीरीज के लिये) यहां आया था जो रन बनाना मेरी जिम्मेदारी थी। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वे मेरी जगह किसी और को ढूंढ लेते।"

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगा कि अब कुछ भी बदला है। हमें रन बनाने की और ज्यादा से ज्यादा मैचों में टीम की जीत में योगदान देने के तरीके खोजने की जरूरत है।" डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले भारत ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी की थी, जहां लाबुशेन आठ पारियों में सिर्फ एक अर्द्धशतक ही बना सके थे। भारतीय परिस्थितियों में भले ही स्पिनरों ने लाबुशेन को परेशान किया हो, वह जानते हैं कि द ओवल पर उन्हें तेज गेंदबाजों के विरुद्ध सावधान रहना होगा।

लाबुशेन ने कहा, "हमने दो महीने पहले भारत का सामना किया था। उस लिहाज़ से देखें तो मैं उनकी गेंदबाजी और योजनाओं को अच्छी तरह समझता हूं। ड्यूक की गेंद से हालांकि वह अपना कौशल कई गुणा बेहतर तरीके से दिखाने वाले हैं।"

विंतिदसर्न से हारकर थाईलैंड ओपन से बाहर हुए लक्ष्य

बैंकॉक, 3 जून। युवा भारतीय शटलर लक्ष्य सेन शनिवार को थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में कुनलावुत विंतिदसर्न से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। अपनी घरेलू सरज़मीन पर खेल रहे विंतिदसर्न ने लक्ष्य को एक घंटे 15 मिनट चले मैच में 13-21, 21-17, 21-13 से मात दी। इस सीजन के पहले फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहे लक्ष्य ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की, लेकिन पहला गेम जीतने के बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके।

पहले गेम में विंतिदसर्न तमाम कोशिशों के बावजूद लक्ष्य की बराबरी नहीं कर सके। भारतीय खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-6 की बढ़त लेने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और 21-13 से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में विंतिदसर्न ने बेहतर प्रदर्शन किया और ब्रेक तक 11-10 की बढ़त भी बनाई। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार दो अंक स्कोर किये, लेकिन लक्ष्य ने तीन पॉइंट बनाते हुए स्कोर 13-13 पर बराबर कर दिया। उन्होंने थाईलैंड के खिलाड़ी के ज़ोरदार स्मैश का जवाब देते हुए एक समय पर 16-15 की बढ़त भी बना ली।

मैच हारने की कगार पर खड़े विंतिदसर्न ने संयम बनाये रखा और 17-17 की बराबरी पर आने के बाद लगातार चार पॉइंट स्कोर करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। आखिरी गेम में विंतिदसर्न ने शुरुआती गलतियां कीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने लय हासिल की। लक्ष्य ने विंतिदसर्न की गलतियों का फायदा उठाते हुए 8-6 की बढ़त बनाने के बाद ब्रेक तक एक पॉइंट की बढ़त बरकरार रखी। ब्रेक के बाद हालांकी लगातार चार अंक बटोरते हुए विंतिदसर्न 14-11 से आगे हो गये। लक्ष्य ने हार का स्वाद चखने से पहले दो अंक अपनी झोली में डाले लेकिन विंतिदसर्न ने 21-13 से गेम जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारत ने उज्बेकिस्तान को हॉकी का पाठ पढ़ाया

काकामिगहारा, 3 जून। भारतीय जूनियर हॉकी महिला टीम ने अपने महिला जूनियर एशिया कप 2023 अभियान की जोरदार शुरुआत करते हुए शनिवार को उज्बेकिस्तान को 22-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से अन्नू ने सर्वाधिक छह गोल किये। मुमताज़ ख़ान और दीपिका ने चार-चार गोल किये, जबकि वैष्णवी विट्ठल फालके, सुनेलीता टोपो और दीपिका सोरेंग ने दो-दो गोल जमाये। नीलम और मंजू चौरसिया ने एक-एक गोल का योगदान दिया।

पुरुष जूनियर टीम के एशियाई चैंपियन बनने के दो दिन बाद अपना अभियान शुरू करने वाली जूनियर महिलाओं ने मुकाबले की शुरुआत फ्रंट फुट पर की। फालके ने तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत का खाता खोला, जबकि मुमताज़ ने तीन मिनट बाद फील्ड गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। पहला क्वार्टर समाप्त होने से पहले अन्नू ने भी मैच में अपना पहला गोल कर दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी मुकाबले पर अपना दबदबा कायम रखा और टोप्पो, चौरसिया, सोरेंग एवं अन्नू के गोलों की मदद से अपनी बढ़त 10 गोल तक बढ़ा ली। हाफ टाइम से पहले मज़बूत बढ़त लेने के बावजूद भारतीय महिलाओं ने बेबस नज़र आ रहे उज़्बेक रक्षण पर कोई तरस नहीं खाया और गोल की बारिश जारी रखी।

तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया, जबकि अन्नू ने दो और फील्ड गोल करके भारत की बढ़त 13-0 की। मुमताज़ और दीपिका ने क्वार्टर की समाप्ति से पहले अपना-अपना दूसरा